# Eklavya University
## Damoh (M.P.)

# Bachelor of Arts

(B.A. – III YEAR)

**Hindi**

Curriculum

*(2023-2024)*

# सैद्धांतिक प्रश्नपत्र हिन्दी के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

**भाग अ – परिचय**

| कार्यक्रम : उपाधि डिग्री | कक्षा : बी.ए. | वर्ष : तृतीय | सत्र : 2023–24 |
|---|---|---|---|

विषय : हिन्दी साहित्य

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | पाठ्यक्रम का कोड | **EUA3HLIT1D** | |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक | काव्यांग विवेचन एवं जनपदीय भाषा – साहित्य (बुन्देली / मालवी / बघेली) (प्रश्न पत्र 1) | |
| 3 | पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स / डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव / इलेक्टिव / जेनेरिक इलेक्टिव / वोकेशनल / माइनर...) | डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव (सैद्धांतिक)<br>समूह अ | |
| 4 | पूर्वापेक्षा (Prerequisite) | इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने हिन्दी साहित्य विषय का अध्ययन डिप्लोमा में किया हो। | |
| 5 | पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO) | इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे:<br>1. विद्यार्थी काव्य के प्रमुख अंगों का अध्ययन कर काव्य को भली भाँति समझ सकेंगे।<br>2. जनपदीय भाषा एवं साहित्य का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।<br>3. जनपदीय भाषा साहित्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति की विविधता से परिचित होंगे।<br>4. विद्यार्थी जनपदीय भाषा कौशल में पारंगत होंगे। क्षेत्रीय भाषाओं, बोलियों के साहित्य को संगीतबद्ध करना, नाट्यरूपांतर करना आदि के माध्यम से स्वयं के व्यावसायिक कला मंच स्थापित कर सकेंगे, देश–विदेश में प्रस्तुतियाँ दे सकेंगे। | |
| 6. | क्रेडिट मान | 06 | |
| 7. | कुल अंक | अधिकतम अंक:<br>30+70 | न्यूनतम उत्तीर्ण अंक:<br>35 |

(2) अभिषेक जैन

| भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु | | |
|---|---|---|
| व्याख्यान की कुल संख्या – प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में L-3) : L-3- T-P: | | |
| **इकाई** | विषय | व्याख्यान की संख्या (1 घंटे / व्याख्यान 90 |
| 1. | काव्यशास्त्रीय अवधारणाएँ :<br>• काव्य लक्षण<br>• काव्य प्रयोजन<br>• काव्य हेतु | 18 |
| 2. | काव्य के प्रमुख अंग :<br>• रस विवेचन<br>• अलंकार (प्रमुख अलंकार – उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, यमक, श्लेष, अनुप्रास)<br>• शब्द शक्ति<br>• काव्य गुण (प्रसाद, माधुर्य, ओज)<br>• छन्द – दोहा, सोरठा, चौपाई, कवित्त, सवैया | 18 |
| 3. | जनपदीय भाषा – साहित्य का इतिहास<br>• जनपदीय – भाषा : (बुन्देली / मालवी / बघेली)<br>• जनपदीय भाषा का भौगोलिक क्षेत्र विस्तार<br>• जनपदीय भाषा (बुन्देली / मालवी / बघेली) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि<br>• जनपदीय भाषा का इतिहास | 18 |

| | | |
|---|---|---|
| 4. | जनपदीय भाषा के प्रतिनिधि रचनाकार एवं रचनाएँ –<br>**अ – बुन्देली भाषा और इतिहास**<br>**प्रमुख कवि – (व्याख्या एवं समीक्षा)**<br>1. जगनिक – आलह खण्ड<br>अंश "सुमिरन करके नारायण को.....<br>2. ईसुरी –<br>1 वंदना – सुमिरन करों शारदा माता,<br>3. भक्तिपरख फागें – हमखो कोउ रजउ की सानी, दूजी नॉइ दिखानी।<br>4. प्रकृतिपरख फागें – अब रित आई बसंत बहारन<br>5. लोक जीवन की चौकड़ियॉ – हंसा उड़ चल देख बिरानें सरवर जात सुखानें<br><br>3 संतोष सिंह बुन्देला –<br>1. ऐसौ जौ बुन्देलखण्ड है, सौ नौनें से नौंनौ।<br>2. मिठौआ है ई कुऑ कौ नीर।<br>3. लगा रऔ कुकरा कबसें टेर<br>4. हमारे रमटेरा की तान<br>5. सरग तरइयॉ कीनें गिन लई<br><br>4 माधव शुक्ल मनोज –<br>1. बड़ी रसीली कों गई रातें<br>2. नीके बसंती आ गये दिन<br>3. फागुन आ गऔ<br>4. कब से देखूँ बाठ पिया की<br>5. अंगना के फूल खिला जइयों.....<br><br>**ब – मालवी एवं निमाड़ी भाषा और साहित्य प्रमुख कवि (व्याख्या एवं समीक्षा)**<br>1. संत पीपा –<br>संत पीपा वाणी एवं पद<br>प्रारंभिक 5 साखियाँ, प्रारम्भिक पद 05<br>महायोगी वैष्णव संत श्री पीपाजी – सं. श्री राजेन्द्र | 18 |

| | | |
|---|---|---|
| | दास<br><br>2. संत सिंगाजी –<br>प्रारंभिक 5 साखियाँ, सरद 05, भजन 2 'कहे जन सिंगा' सं. डॉ. श्रीराम परिहार<br><br>3. आनंदराव दुबे – 05 कविताएँ<br>• कलम–कागज<br>• अब कॅई हीड़ गावे रे<br>• हूँ जाणॅ की ता जाणे<br>• कदी जाण घरे भी हाण हुई ज्ञाय है, मालवा की माटी<br><br>4. बालकवि बैरागी (05 कविताएँ)<br>• बाजे रे ढोल<br>• पसीनो ललाट को<br>• बादरणा अइग्या<br>• यो बसंत है<br>• पनिहारी<br><br>1. बैजनाथ पाण्डे बैजू – (कवि का परिचय एवं साहित्यक विशेषताएँ)।<br>1.1. देशसेवा<br>1.2. नेता<br>1.3. मेला<br>1.4. गरीबी<br>1.5. बिटियन केर पढ़ाई<br><br>2. सैफुद्दीन सिद्दीकी 'सैफू' (कवि – परिचय एवं साहित्यिक विशेषताएँ)<br>2.1. किसान<br>2.2. रुपिया केर महातिम<br>2.3. मुँह देखा अब कजरहटा मा<br>2.4. दडउ त बनाइस मनई<br>2.5. अरे अक्किल का मॉजा | |

| | | |
|---|---|---|
| | 3. डॉ. अमोल बटरोही – (कवि परिचय एवं साहित्यक विशेषताएँ)<br>3.1. पेट त उठउ आय<br>3.2. अँजुरी भर प्यार लोई देड.....<br>3.3. को कहइ<br>3.4. कोइयॉ मुर्रत परे रहे<br>3.5. को होइगा<br><br>4. बाबूलाल दाहिया – (कवि परिचय एवं साहित्यक विशेषताएँ)<br>4.1. गजल – अब हमी उनहूँ निता स्वाचे का चाही<br>4.2. अकेले डॉग मा गोरू चराबै कोल बरसइत<br>4.3. हरबाह के कनूत | |
| 5. | **जनजातीय भाषा साहित्य**<br>1. जनजातीय भाषा साहित्य संग्रह (लिखित / वीडियो)<br>2. किसी भी जन जातीय भाषा – साहित्य का अनुवाद<br>3. जनजातीय भाषा साहित्य का भाषिक सौन्दर्य<br>4. जनजातीय भाषा साहित्य अन्तर्गत संस्कृति का अध्ययन<br>5. जनजातीय भाषा साहित्य और संगीत | 18 |

**की वर्ड : काव्य शास्त्र, चौकड़िया, फाग, लोक साहित्य, लोक संस्कृति**

**भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन**

**अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रन्थ / अन्य पाठ्य संसाधन / पाठ्य सामग्री :**


- शर्मा, डॉ शैलेंद्र कुमार, चौहान, डॉ दिलीप कुमार, ''मालवी भाषा और साहित्य'' मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल
- शुक्ल, त्रिभुवन नाथ, डॉ कामिनी, परमार, डॉ बहादुर सिंह ''बुन्देली भाषा और साहित्य''
- हंस, डॉ कृष्ण लाल ''बुन्देली और क्षेत्रीय रूप'' हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग प्रथम संस्करण 1976 ई.
- शुक्ल, दुर्गाचरण ''बुन्देली एक भाषा वैज्ञानिक अध्ययन'' कला परिषद टीकमगढ़ प्रथम संस्करण 1976 ई.
- शर्मा, डॉ. रमेश ''लोक साहित्य'' बेनी माधव प्रकाशन वाराणसी प्रथम संस्करण 1969 ई.
- शर्मा, डॉ. सत्येंद्र – प्रधान, उषा ''बघेली भाषा और साहित्य'' मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ

अकादमी भोपाल

- मिश्र, डॉ भागीरथ ''काव्यशास्त्र'' विश्वविद्यालय प्रकाशन गोरखपुर 1963
- सिंह, डॉ योगेंद्र प्रताप ''भारतीय काव्यशास्त्र'' लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद 1997 ई.
- चन्द्रगुप्त, डॉ. सुरेश ''आधुनिक हिन्दी कवियों के काव्य सिद्धांत'' हिन्दी साहित्य संसार दिल्ली प्रथम संस्करण 1960 ई.
- त्रिपाठी, राममूर्ति ''साहित्य शास्त्र के प्रमुख पक्ष'' वाणी प्रकाशन नई दिल्ली
- वाजपेयी, नन्ददुलारे ''रीति और शैली'' वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- तोमर, टीकमसिंह ''बघेली भाषा और साहित्य'' बिहार राष्ट्र भाषा परिषद पटना
- शुक्ल, भगवती प्रसाद ''बघेली भाषा और साहित्य'' साहित्य भवन इलाहाबाद प्रथम संस्करण 1971 ई.
- शर्मा, डॉ. शैलेन्द्र ''शब्द–शक्ति संबंधी भारतीय और पाश्चात्य अवधारणा तथा हिन्दी काव्य शास्त्र'' नेशनल पब्लिशिंग हाउस नई दिल्ली
- गुप्ता, डॉ. सरोज ''प्रमाणिक वृहद बुन्देली शब्दकोश'' उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान लखनऊ
- शर्मा, डॉ. शैलेंद्र ''मालवा का लोक नाच एवं अन्य विधाएँ'' अंकुर मंच उज्जैन
- मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी से प्रकाशित पुस्तकें

**अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक**

www.eshiksha.mp.gov.in
http://www.abmcollegejamshedpur.ac.in/pdfs/studymaterials/B.A.HINDI(Hon%27s)SEM-3,CC-6%20Unit-21.pdf
https://old.amu.ac.in/emp/study/99994856.pdf

**भाग द – अनुशंसित विधियां :**

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां :
अधिकतम अंक : 100
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE) अंक : 70

| | | |
|---|---|---|
| आतंरिक मूल्यांकन :<br>सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) | क्लास टेस्ट<br>असाइनमेंट / प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन) | 30 |
| आकलन :<br>विश्वविद्यालयीन परीक्षा:<br>समय – 03.00 घंटे | अनुभाग (अ) : अति लघु प्रश्न<br>अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न<br>अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न | 70 |

# सैद्धांतिक प्रश्नपत्र हिन्दी के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

**भाग अ – परिचय**

| कार्यक्रम : डिग्री | कक्षा : बी.ए. | वर्ष : तृतीय | सत्र : 2023–24 |
|---|---|---|---|

विषय : हिन्दी साहित्य

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | पाठ्यक्रम का कोड | **EUA3HLIT2D** | |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक | जन संचार माध्यम : सिद्धांत और अनुप्रयोग (प्रश्न पत्र 2) | |
| 3 | पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स / डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव / इलेक्टिव / जेनेरिक इलेक्टिव / वोकेषनल / माइनर...) | डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव (सैद्धांतिक)<br><br>समूह अ | |
| 4 | पूर्वापेक्षा (Prerequisite) | इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने हिन्दी साहित्य विषय का अध्ययन डिप्लोमा में किया हो। | |
| 5 | पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) **(CLO)** | इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे :<br>1. यह एक रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम है जो विद्यार्थियों को जन संचार माध्यम में कौशल प्राप्त करने एवं रोजगार प्राप्त करने में सहयोगी होगा।<br>2. विद्यार्थी महत्वपूर्ण व्यक्तियों के साक्षात्कार लेने में सक्षम होंगे।<br>3. विद्यार्थियों को पत्रकारिता के माध्यम से सामाजिक और राष्ट्रीय दायित्व का बोध होगा। | |
| 6. | क्रेडिट मान | 06 | |
| 7. | कुल अंक | अधिकतम अंक : 30+70 | न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35 |

अभिषेक जी

| भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु | | |
|---|---|---|
| व्याख्यान की कुल संख्या – प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में L-3) : L-T-P: | | |
| **इकाई** | विषय | व्याख्यान की संख्या (1 घंटे/व्याख्यान 90 |
| 1. | **जनसंचार की अवधारणा और विविध आयाम**<br>• जनसंचार माध्यम परिभाषा, स्वरूप एवं चुनौतियाँ।<br>• जनसंचार माध्यमों का स्वरूप – प्रिंट (मुद्रण) श्रव्य, दृश्य–श्रव्य, इंटरनेट। | 18 |
| 2. | **प्रिंट पत्रकारिता (मुद्रण)**<br>**समाचार–अवधारणा समाचार श्रोत एवं क्षेत्र**<br>• समाचार संग्रह पद्धति और लेखन प्रक्रिया<br>• समाचार का वर्गीकरण – खोजी, व्याख्यापरक एवं अनुवर्तन समाचार<br>• संवाददाता की भूमिका<br>• सम्पादकीय लेखन, स्तम्भ लेखन एवं फीचर लेखन<br>• मुद्रण कला : ले–आउट एवं पृष्ठसज्जा | 18 |
| 3. | **पत्रकारिता प्रबंधन**<br>• विज्ञापन विक्रय एवं वितरण<br>• प्रेसवार्ता एवं साक्षात्कार | 18 |
| 4. | **दृश्य–श्रव्य माध्यम : इलेक्ट्रोनिक मीडिया की पत्रकारिता**<br>• समाचार संकलन (द्रश्य श्रव्य माध्यम के लिए)<br>• संपादन प्रस्तुतिकरण की प्रक्रिया<br>• टेलीविजन, धारावाहिक, टेलीविजन, टेलीफिल्म, डाक्यूड्रामा<br>• दृश्य–श्रव्य माध्यम के लिए विज्ञापन निर्माण–लेखन एवं प्रस्तुति<br>• प्रेस वार्ता एवं साक्षात्कार | 18 |

| | | |
|---|---|---|
| 5. | **न्यू मीडिया / वेब मीडिया**<br>• न्यू मीडिया वेब मीडिया का आशय / एवं विविध रूप<br>• न्यू मीडिया / वेब मीडिया मे समाचार लेखन, सम्पादन एवं प्रस्तुतीकरण<br>• समाचार लेखन एवं सम्पादन<br>• न्यू मीडिया का सामाजिक एवं सांस्कृतिक पक्ष और प्रभाव<br>• प्रेस एवं मीडिया संबंधी प्रमुख कानून एवं आचार संहिता | 18 |
| **व्यावहारिक ज्ञान** | • प्रिंट / रेडियो / इलेक्ट्रॉनिक / न्यू मीडिया संबंधित लेखन एवं प्रस्तुतीकरण<br>• फिल्म समीक्षा | |

**की वर्ड : जनसंचार माध्यम, पत्रकारिता प्रबंधन, न्यू मीडिया एवं वेब मीडिया**

**भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन**

**अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रन्थ / अन्य पाठ्य संसाधन / पाठ्य सामग्री :**


- हरिमोहन "आधुनिक जनसंचार और हिन्दी" तक्षशिला प्रकाशन नई दिल्ली
- द्विवेदी, संजय "नए समय का संवाद : सोशल नेटवर्किंग" नेहा पब्लिशिंग एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स नई दिल्ली
- शुक्ल, सौरभ "नए जमाने की पत्रकारिता" विजडम विलेज पब्लिकेशन्स नई दिल्ली
- श्रीवास्तव, डॉ. राजेश "दृश्य – श्रव्य माध्यम लेखन", कैलाश पुस्तक सदन भोपाल
- सिंह, अजय कुमार "इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता" लोकभारती प्रकाशन 2014
- जैन, डॉ. संजीव कुमार "प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी एवं कम्प्यूटिंग" कैलाश पुस्तक सदन भोपाल
- द्विवेदी, संजय "मीडिया / भूमंडलीकरण और समाज"
- परिहार, कालूराम "मीडिया का सामाजिक सरोकार"
- पटेल योगेश सोशल मीडिया
- मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल से प्रकाशित पुस्तकें


**अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म / वेब लिंक**

www.eshiksha.mp.gov.in
https://ignited.in/a/57930
https://ncert.nic.in/textbook/pdf/kham101.pdf

| भाग द – अनुशंसित अध्ययन संसाधन | | |
|---|---|---|
| **अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां :**<br>अधिकतम अंक : 100<br>सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक : 70 | | |
| आंतरिक मूल्यांकन :<br>सतत व्यापक मूल्यांकन<br>(CCE) | क्लास टेस्ट<br>असाइनमेंट / प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन) | 30 |
| आकलन :<br>विश्वविद्यालयीन परीक्षा :<br>समय – 03.00 घंटे | अनुभाग (अ) : अति लघु प्रश्न<br>अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न<br>अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न | 70 |
| कोई टिप्पणी / सुझाव : | | |

# सैद्धांतिक प्रश्नपत्र हिन्दी के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

**भाग अ – परिचय**

| कार्यक्रम : डिग्री | कक्षा : बी.ए. | वर्ष : तृतीय | सत्र : 2023–24 |
|---|---|---|---|

विषय : हिन्दी साहित्य

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | पाठ्यक्रम का कोड | **EUA3HLIT3D** | |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक | हिन्दी – राष्ट्रीय काव्य धारा (प्रश्न पत्र 1) | |
| 3 | पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स / डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव / इलेक्टिव / जेनेरिक इलेक्टिव / वोकेशनल / माइनर...) | **डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव**<br><br>**समूह ब** | |
| 4 | पूर्वापेक्षा (Prerequisite) | इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने हिन्दी साहित्य विषय का अध्ययन डिप्लोमा में किया हो। | |
| 5 | पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) **(CLO)** | • विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से प्राचीन परंपरा एवं आधुनिक संदर्भ में राष्ट्रीय चेतना के अर्थ से सुभिज्ञ होंगे।<br>• विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में स्वयं की भूमिका का चयन करने में समर्थ हो सकेंगे।<br>• सृजनात्मक क्षमता वाले विद्यार्थी राष्ट्रीय चेतना से युक्त कविता और गीतों का सृजन कर गीत–संगीत एवं फिल्मों में यश एवं अर्थोपार्जन कर सकते है।<br>• विद्यार्थी राष्ट्रीय चेतना में साहित्य परंपरा से परिचित हो सकेंगे। | |
| 6. | क्रेडिट मान | 06 | |
| 7. | कुल अंक | अधिकतम अंक : 30+70 | न्यूनतम उत्तीर्ण अंक:35 |

| भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु | | |
|---|---|---|
| व्याख्यान की कुल संख्या – प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में L-3) : L-T-P: | | |
| **इकाई** | विषय | व्याख्यान की संख्या (1 घंटे / व्याख्यान 90 |
| 1. | **राष्ट्र और राष्ट्रीय चेतना की अवधारणा एवं स्वरूप –**<br>• अर्थ परिभाषा<br>• भारतीय प्राचीन वांगमय में राष्ट्र एवं राष्ट्रीय चेतना का स्वरूप<br>• आधुनिक भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्य में राष्ट्रीय चेतना संबंधी दृष्टि | 18 |
| 2. | **हिन्दी साहित्य के विविध युगों में राष्ट्रीय चेतना का विकास (संक्षिप्त ऐतिहासिक यात्रा) –**<br>• आदि कालीन युगीन राष्ट्रीय पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ<br>• मध्यकालीन राष्ट्रीय पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ<br>• आधुनिक काल की राष्ट्रीय पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ | 18 |
| 3. | **स्वतंत्रता के पूर्व राष्ट्रीय चेतना का स्वरूप**<br>• भारतेन्दु युग से छायावाद तक प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाओं में अभिव्यक्त राष्ट्रीय चेतना।<br>• भारतेन्दु – (मुकरियाँ) भीतर भीतर सब रस चूसे<br>• मैथिलीशरण गुप्त – मातृभूमि (भारत भारती)<br>• जयशंकर प्रसाद – हिमाद्रि तुंग श्रृंग से.....<br>• माखनलाल चतुर्वेदी – कैदी और कोकिला जवानी<br>• बालकृष्ण शर्मा नवीन – विप्लव गान, कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ.....<br>• सुभद्रा कुमारी चौहान – वीरों का कैसा हो वसंत .....<br>• सोहनलाल द्विवेदी – वंदना के इन स्वरों में.....<br>• श्यामनारायण पांडे – हल्दी घाटी<br>• दिनकर – शहीद स्तवन | 18 |

अभिषेक जैन Nidhi

| | | |
|---|---|---|
| 4. | **स्वातन्त्रोत्तर हिन्दी राष्ट्रीय काव्यधरा –**<br>• गिरजा कुमार माथुर – आज विजय<br>• गोपाल सिंह नेपाली – यह स्वतंत्रता का दिया<br>• श्री कृष्ण ''सरल'' – मैं अमर शहीदों का चारण (क्रांति गंगा काव्य संग्रह)<br>• बलवीर सिंह – बोले रक्त शहीद का<br>• डॉ. कृष्ण गोपाल मिश्र – सरदार पटेल (कविता संग्रह कसक) | 18 |
| 5. | **फिल्मों गीतों में अभिव्यक्त राष्ट्रीय चेतना**<br>• कवि प्रदीप – आज हिमालय की .....<br>• प्रेम धवन – छोड़ो कल की बातें .....<br>• नीरज – ए मेरे प्यारे वतन .....<br>• कैफी आजमी – कर चले हम फिदा<br>• इंदीवर – हे प्रीत जहां की रीत | 18 |
| **व्यावहारिक ज्ञान** | **स्थानीय रचनाकारों के राष्ट्रीय गीतों का संकलन, सस्वर गायन, कविता पाठ**<br>**राष्ट्रीयता पर आधारित फिल्मों की समीक्षा** | |

**की वर्ड :** राष्ट्रीय चेतना आदि

**भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन**

**अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :**


- चतुर्वेदी, नरेश चंद ''राष्ट्रीय कवितायें'' साहित्य निकेतन कानपुर
- गौतम, सुरेश ''छायावाद का उत्तर राग : राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य'' आलोक पर्व प्रकाशन दिल्ली
- पथिक, डॉ. देवराज ''मुक्ति बोध के काव्य में राष्ट्रीय चेतना'' आशा प्रकाशन नई दिल्ली
- पथिक, देवराज शर्मा ''हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा एक समग्र अनुशीलन'' इंद्रप्रस्थ प्रकाशन दिल्ली
- पथिक, देवराज शर्मा ''नई कविता में राष्ट्रीय'' कादम्बरी प्रकाशन दिल्ली
- गुप्त, विद्यानाथ ''हिन्दी कविता में राष्ट्रीय भावना'' उदधत भर्ती साहित्य मंदिर दिल्ली
- दरगन, रवीन्द्रनाथ ''छायावादी काव्य में राष्ट्रीय–सांस्कृतिक चेतना'' वाणी प्रकाशन दिल्ली
- कुमार, मुकेश ''हिन्दी कविता में राष्ट्रीय एवं संस्कृति'' साहित्य संचय, सोनिया विहार दिल्ली
- चतुर्वेदी, जगदीश ''भारतीय कविता में राष्ट्रीय चेतना'' अभिनव प्रकाशन दिल्ली स.

1979 ई.

- मिश्र, कृष्णगोपाल ''हिन्दी साहित्य और समीक्षा'' के. के. पब्लिकेशन नई दिल्ली
- शुक्ल, स्मृति ''निकश बत्तीस'' अनुजा बुक्स दिल्ली
- मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल से प्रकाशित पुस्तकें

**अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म / वेब लिंक**

www.eshiksha.mp.gov.in
https://drshailendrasharma.blogspot.com/2013/01/blog-post.html
https://ignited.in/I/a/89038

**भाग द – अनुशंसित अध्ययन संसाधन**

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां :
अधिकतम अंक : 100
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक : 70

| | | |
|---|---|---|
| आंतरिक मूल्यांकन :<br>सतत व्यापक मूल्यांकन<br>(CCE) : | क्लास टेस्ट<br>असाइनमेंट / प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन) | 30 |
| आकलन :<br>विश्वविद्यालयीन परीक्षा :<br>समय – 03.00 घंटे | अनुभाग (अ) : अति लघु प्रश्न<br>अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न<br>अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न | 70 |

कोई टिप्पणी / सुझाव :

# सैद्धांतिक प्रश्नपत्र हिन्दी के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

**भाग अ – परिचय**

| कार्यक्रम : डिग्री | कक्षा : बी.ए. | वर्ष : तृतीय | सत्र : 2023–24 |
|---|---|---|---|

विषय : हिन्दी साहित्य

| | | |
|---|---|---|
| 1 | पाठ्यक्रम का कोड | **EUA3HLIT4D** |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक | हिन्दी आलोचना<br>(प्रश्न पत्र 2) |
| 3 | पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स / डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव / इलेक्टिव / जेनेरिक इलेक्टिव / वोकेशनल / माइनर...) | **डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव (सैद्धांतिक)**<br><br>**समूह ब** |
| 4 | पूर्वापेक्षा (Prerequisite) | इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने हिन्दी साहित्य विषय का अध्ययन डिप्लोमा में किया हो। |
| 5 | पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) **(CLO)** | इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे :<br>• विद्यार्थियों में आलोचनात्मक<br>• विवेक / समीक्षात्मक दृष्टि का विकास होगा जिससे वह आलोचना लेखन एवं प्रकाशन के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।<br>• विद्यार्थियों में भारतीय ज्ञान–विज्ञान को निरपेक्ष रूप से समझ सकेगा जिससे सामाजिक दायित्व का निर्वाह कर सकेगा। समाज कल्याण संबंधी क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगे।<br>• विद्यार्थियों में भाषा शिक्षण के संस्कारों का विकास होगा जिससे वह रचनात्मकता एवं भाषा के क्षेत्र में नए प्रयोग कर सकेंगे। |
| 6. | क्रेडिट मान | 06 |
| 7. | कुल अंक | अधिकतम अंक:30+70 / न्यूनतम उत्तीर्ण अंक:35 |

| भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु | | |
|---|---|---|
| व्याख्यान की कुल संख्या – प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में L-3) : **L-T-P:** | | |
| **इकाई** | विषय | व्याख्यान की संख्या (1 घंटे / व्याख्यान 90 |
| 1. | **आलोचना की अवधारणा एवं स्वरूप**<br>• आलोचना : शाब्दिक व्युत्पत्ति, अर्थ, परिभाषा स्वरूप एवं प्रकार | 14 |
| 2. | **आलोचना का इतिहास तथा सैद्धांतिक परिचय**<br>• संस्कृत आलोचना का इतिहास एवं संक्षिप्त परिचय।<br>• हिन्दी आलोचना का संक्षिप्त इतिहास एवं परिचय। | 18 |
| 3. | **हिन्दी आलोचना के प्रमुख प्रकार एवं उनका संक्षिप्त परिचय**<br>• शास्त्रीय<br>• स्वच्छंदतावदी<br>• मनोविश्लेषण वादी<br>• समाजशास्त्रीय | 18 |
| 4. | **हिन्दी आलोचना के अन्य प्रकार एवं उनका संक्षिप्त परिचय–**<br>• मार्क्सवादी<br>• सौन्दर्य शास्त्रीय<br>• शैली वैज्ञानिक<br>• व्यावहारिक समीक्षा | 20 |
| 5. | **हिन्दी के प्रमुख आलोचक एवं उनके आलोचना सिद्धांत**<br>• आचार्य रामचन्द्र शुक्ल<br>• आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी<br>• आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी<br>• डॉ. नगेन्द्र<br>• डॉ. नामवर सिंह | 20 |
| **व्यावहारिक ज्ञान** | • कविता कहानी उपन्यास किसी भी एक पर पुस्तक समीक्षा।<br>• विद्वानों द्वारा की गयी समीक्षाओं का अध्ययन। | |
| **की वर्ड** : आलोचना, स्वच्छंदतावादी, समाजशास्त्री, शास्त्रीय आदि | | |

## भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

**अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :**


- मिश्र, डॉ. रामदरस ''हिन्दी समीक्षा स्वरूप और संदर्भ'' डि. मैकमिलन कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड (1974) दिल्ली, मद्रास।
- मिश्र, भगीरथ ''काव्य शास्त्र'' विश्वविद्यालय प्रकाशन।
- चौधरी, डॉ. सत्यदेव एवं गुप्त शांति स्वरूप ''भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन अशोक पब्लिकेशन दिल्ली।
- तिवारी, डॉ. रामचन्द्र ''आलोचक का दायित्व'' विश्वविद्यालय प्रकाशन।
- त्रिगुणायक, डॉ. गोविंद ''शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत'' भारतीय साहित्य मंदिर।
- जैन, डॉ. निर्मला ''हिन्दी आलोचना की बीसवीं सदी'' राधाकृष्ण प्रकाशन।
- मुक्तिबोध, गजानन्द माधव ''नए साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र'' राधाकृष्ण प्रकाशन।
- प्रकाश, डॉ. राघव ''शैली विज्ञान और भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्य शास्त्र'' राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
- अवस्थी, देवीशंकर ''रचना और आलोचना'' वाणी प्रकाशन नई दिल्ली
- सिंह, डॉ. बच्चन ''आलोचक और आलोचना'' नेशनल पब्लिशिंग हाउस नई दिल्ली
- वाजपेयी, नन्ददुलारे ''आधुनिक साहित्य'' भारतीय भंडार इलाहाबाद
- नवल, नन्दकिशोर ''हिन्दी आलोचना का विकास'' राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
- मिश्र, डॉ. शिवकुमार ''हिन्दी आलोचना की परंपरा और आचार्य रामचंद्र शुक्ल''
- पाण्डेय, मैनेजर ''साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका संकट के बावजूद'' वाणी प्रकाशन नई दिल्ली
- पाण्डेय, मैनेजर ''साहित्य और इतिहास दृष्टि'' वाणी प्रकाशन नई दिल्ली
- सिंह, नामवर ''कविता के नए प्रतिमान'' राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
- सिंह, नामवर ''दूसरी परंपरा की खोज'' राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
- रंजन, सुधीर ''कविता के प्रस्थान'' राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
- मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल से प्रकाशित पुस्तकें


**अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म/वेब लिंक**

www.eshiksha.mp.gov.in
https://egyankosh.ac.in/bitstream/123456789/28044/1/Unit-30.pdf
https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.494387/page/n19/mode/1up?view=theater

| भाग द – अनुशंसित अध्ययन संसाधन | | |
|---|---|---|
| **अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां :**<br>अधिकतम अंक : 100<br>सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक : 70 | | |
| आंतरिक मूल्यांकन :<br>सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) : | क्लास टेस्ट<br>असाइनमेंट / प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन) | **30** |
| आकलन :<br>विश्वविद्यालयीन परीक्षा :<br>समय – 03.00 घंटे | अनुभाग (अ) : अति लघु प्रश्न<br>अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न<br>अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न | **70** |
| कोई टिप्पणी / सुझाव : | | |

# सैद्धांतिक प्रश्नपत्र हिन्दी के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

**भाग अ – परिचय**

| कार्यक्रम : डिग्री | कक्षा : बी.ए. | वर्ष : तृतीय | सत्र : 2023–24 |
|---|---|---|---|

विषय : हिन्दी साहित्य

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | पाठ्यक्रम का कोड | **EUA3HLIT2T** | |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक | लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति | |
| 3 | पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स / डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव / इलेक्टिव / जेनेरिक इलेक्टिव / वोकेशनल / माइनर...) | **माइनर / इलेक्टिव (सैद्धांतिक)** | |
| 4 | पूर्वापेक्षा (Prerequisite) | इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने हिन्दी साहित्य विषय का अध्ययन डिप्लोमा में किया हो। | |
| 5 | पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) **(CLO)** | इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे :<br>• विद्यार्थी लोक जीवन शैली से भिज्ञ होंगे।<br>• लोक साहित्य की विविध विधाओं का अध्ययन कर अपने ज्ञान और अनुभव से शोध कार्य करने में समर्थ होंगे।<br>• लोक कला के क्षेत्र में कौशल विकास कर, रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।<br>• लोक गीत, संगीत, नाट्य अभिनय आदि में रुचि रखने वाले विद्यार्थी संगीत नाट्य एवं फिल्म आदि क्षेत्रों में नया प्रयोग करते हुए देश–विदेश में यश एवं अर्थोपार्जन कर सकेंगे। | |
| 6. | क्रेडिट मान | 06 | |
| 7. | कुल अंक | अधिकतम अंक:30+70 | न्यूनतम उत्तीर्ण अंक:35 |

| भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु | | |
|---|---|---|
| व्याख्यान की कुल संख्या – प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में L-3) : **L-T-P:** | | |
| **इकाई** | विषय | व्याख्यान की संख्या (1 घंटे / व्याख्यान 90 |
| 1. | **लोक–साहित्य एवं लोक संस्कृति की अवधारणा :**<br>• लोक, लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति की अवधारणा<br>• लोक वार्ता और लोक संस्कृति<br>• लोक संस्कृति और साहित्य का अंतरसंबंध | 18 |
| 2. | **लोक साहित्य के प्रमुख रूप एवं संकलन**<br>• लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण लोकगीत लोकनाट्य लोक कथा एवं लोक गाथा<br>• लोक–साहित्य की अध्ययन प्रक्रिया एवं संकलन की समस्याएं | 18 |
| 3. | **लोकगीत एवं लोकनाट्य स्परूप : प्रकार एवं विशेषताएँ**<br>• लोकगीत – अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार (संस्कार गीत, वृत गीत, पर्व गीत, श्रम गीत एवं ऋतु गीत आदि)<br>• लोकनाट्य – अवधारणा एवं प्रकार (रामलीला, रासलीला, कीर्तनिया, स्वांग, यक्षगान, भवाई, नोटंकी, माच, तमाशा, विदेसिया जात्रा आदि का संक्षिप्त परिचय | 18 |
| 4. | **लोककथा एवं लोक गाथा स्वरूप : प्रकार एवं विशेषताएँ –**<br>• लोककथा अर्थ – परिभाषा, स्वरूप एवं प्रकार व्रतकथा, परिकथा, नागकथा, बोधकथा आदि।<br>• कथानक रूढ़ियाँ अभिप्राय<br>• लोकगाथा, गोपीचन्दभर्थरी, नलदमयन्ती आदि।<br>• लोककथाओं एवं गाथाओं का सामाजिक जीवन पर प्रभाव | 18 |
| 5. | **लोक संगीत, लोक नृत्य एवं अन्य विधाएँ –**<br>• लोक संगीत, लोक वाद्य एवं विशिष्ट लोक ध्वनि से आशय, स्वरूप<br>• लोक नृत्य के विविध रूप<br>• मुंहावरे – कहावतें, पहेलियाँ | 18 |

| | | |
|---|---|---|
| | • मेले एवं हाट<br>• संबंधित क्षेत्र के लोक साहित्य एवं संस्कृति का अध्ययन<br>• संबंधित क्षेत्र की लोक कलाओं लोक चित्र एवं शिल्प का अध्ययन | |
| **व्यावहारिक ज्ञान** | स्थानीय क्षेत्र के लोक गीत लोक साहित्य, लोक कलाओं का संकलन अनुवाद एवं प्रस्तुतिकरण। लोक कलाकारों से भेट वार्ता प्रस्तुति। | |

**की वर्ड :** लोक, लोक साहित्य, वार्ता लोक गाथा।

**भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन**

**अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रन्थ / अन्य पाठ्य संसाधन / पाठ्य सामग्री :**


- उपाध्याय, कृष्णदेव ''लोक साहित्य की भूमिका'' साहित्य भवन प्रा.लि. इलाहाबाद
- उपाध्याय, कृष्णदेव ''लोक संस्कृति की रूपरेखा'' लोक भर्ती प्रकाशन नई दिल्ली
- तिवारी, डॉ. कपिल ''कथा वार्ता'' (हिन्दी) आदिवासी लोक कला एवं बोली विकास अकादमी, भोपाल
- निर्गुणे, वसंत ''निमाड़ी मुहावरे'' (हिन्दी) आदिवासी लोक कला एवं बोली विकास अकादमी, भोपाल
- निर्गुणे, वसंत ''संत सिंगाजी'' आदिवासी लोक कला एवं बोली विकास अकादमी, भोपाल
- निर्गुणे, वसंत ''मध्यप्रदेश की लोक कथाएँ'' प्रभात प्रकाशन प्रा.लि.
- दिनकर, रामधारी सिंह ''संस्कृति के चार अध्याय'' साहित्य अकादमी नई दिल्ली 1956
- माथुर, जगदीश चन्द्र ''परंपराशली नाट्य'' राष्ट्रीय विद्यालय नई दिल्ली
- गुप्ता, डॉ. सरोज, सुहाने, डॉ. संगीता ''लोक सहित्य और वैश्वीकरण'' अनुभूति पब्लिशर इलाहाबाद
- शर्मा, डॉ. शैलेंद्र ''मालवा का लोक नाट्य मंच एवं अन्य विधाएँ'' अंकुर मंच उज्जैन
- मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल से प्रकाशित पुस्तकें


**अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म / वेब लिंक**

www.eshiksha.mp.gov.in
https://rgu.ac.in/wp-content/uploads/2021/02/Download 600.pdf
https://loksahitya.weebly.com/uploads/9/7/2/1/972179/loksahitya.pdf
https://www.csirs.org.in/uploads/paper pdf/lok-sanskriti-ke-aaine-mein-lok-sahitya.pdf

| भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियां : | | |
|---|---|---|
| **अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां :**<br>अधिकतम अंक : 100<br>सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक : 70 | | |
| आंतरिक मूल्यांकन :<br>सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) : | क्लास टेस्ट<br>असाइनमेंट / प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन) | **30** |
| आकलन :<br>विश्वविद्यालयीन परीक्षा :<br>समय – 03.00 घंटे | अनुभाग (अ) : अति लघु प्रश्न<br>अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न<br>अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न | **70** |
| कोई टिप्पणी / सुझाव : | | |